



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 99]

नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 5, 2001/फाल्गुन 14, 1922

No. 99]

NEW DELHI, MONDAY, MARCH 5, 2001/PHALGUNA 14, 1922

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 मार्च, 2001

सं. 27/2001-सीमाशुल्क

सा.का.नि. 163(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 के उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की प्रथम अनुसूची के अध्याय 71 के अंतर्गत आने वाले अपरिष्कृत हीरकों और अन्य बिना सेट किए गए और बिना तरासे गए बहुमूल्य या कम मूल्य वाले रत्नों को, जब उनका भारत में आयात किया जाए उक्त प्रथम अनुसूची के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय संपूर्ण सीमाशुल्क और उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 के अधीन स्तन पर उद्ग्रहणीय अतिरिक्त शुल्क, यदि कोई है, से निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, छूट देती है, अर्थात् :—

(F) आयात, -

- (i) प्राकृत्या पुरस्का जिल्द I के पैराग्राफ 8 3 क साथ पाठित निर्यात और आयात नीति के पैराग्राफ 8 2 के अंतर्गत एव अनुसार निर्गत एक पुन पूर्ति अनुज्ञप्ति ,
 - (ii) प्राकृत्या पुरस्का जिल्द I के पैराग्राफ 8 11 एवं 8 12 के साथ पाठित निर्यात और आयात नीति के पैराग्राफ 8 3 के अंतर्गत एव अनुसार निर्गत एक पुन हीरक अग्रदाय अनुज्ञप्ति ;
 - (iii) प्राकृत्या पुरस्का जिल्द I के पैराग्राफ 8.21 से 8 25 क साथ पाठित निर्यात और आयात नीति के पैराग्राफ 8 10 के अंतर्गत एव अनुसार निर्गत एक प्रपुज अनुज्ञप्ति ,
 - (iv) प्राकृत्या पुरस्का जिल्द I के पैराग्राफ 8 82 से 8 84 (क) के साथ पाठित निर्यात एव आयात नीति के पैराग्राफ 8 37 के अंतर्गत एव अनुसार निर्गत एक पुन पूर्ति अनुज्ञप्ति ;
- अर्थात्

- (v) निर्यात एवं आयात नीति के पैराग्राफ 8.38 के अंतर्गत एवं अनुसार निर्गत एक रत्न पुनः पूर्ति अनुज्ञप्ति;

के अंतर्गत किया जाता है;

(ख) उपर्युक्त पैराग्राफ (क) के क्रमसंख्या (ii) अथवा (iii) के अधीन आयातित अपरिष्कृत हीरो के मामले में, आयातक, सीमाशुल्क उपायुक्त अथवा सीमाशुल्क सहायक आयुक्त, जैसा भी मामला हो, द्वारा यथा विनिर्दिष्ट राशि के लिए और ऐसे रूप में बंध पत्र निष्पादित करेगा तथा इस तरह आयातित उक्त अपरिष्कृत हीरो पर प्रभारणीय शुल्क की समतुल्य राशि के लिए एक बैंक गारंटी प्रस्तुत करेगा, आयात एवं निर्यात नीति तथा प्रक्रिया पुस्तिका के जिल्द I में यथा निर्धारित निर्यात दायित्व को प्राप्त करने के लिए वचन देगा, तथा निर्यात और आयात नीति अथवा प्रक्रिया पुस्तिका के जिल्द 1 में यथा निर्धारित निर्यात दायित्व अथवा किसी अन्य शर्त को पूरा न करने की स्थिति में उक्त अपरिष्कृत हीरों पर मांग करने पर शुल्क तथा शुल्क मुक्त आयात की तिथि से शुल्क के भुगतान की तिथि तक उक्त शुल्क पर प्रति वर्ष चौबीस प्रतिशत की दर से ब्याज का भुगतान करने के लिए बाध्य होगा ; और

(ग) आयातक यथास्थित, उक्त वस्तुओं के आयात, खपत तथा उपयोग और उसके द्वारा किए गए निर्यातों के बारे में सम्यक रूप से लेखा रखेगा तथा उक्त लेखों को, सीमा शुल्क आयुक्त द्वारा इस संबंध में यथाविनिर्दिष्ट ऐसे अंतरालों पर और ऐसे समय के भीतर, ऐसे रूप में, ऐसे तरीके से, यथास्थिति, उक्त उपर्युक्त अथवा सहायक आयुक्त, सीमा शुल्क के समक्ष प्रस्तुत करेगा ।

2 यह अधिसूचना तारीख 31 मार्च, 2001 तक जसमें यह तारीख भी शामिल है, प्रवृत्त रहेगी ।

स्पष्टीकरण,- इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए,-

(क) “निर्यात एवं आयात नीति” का तात्पर्य भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं० 1 (आर०ई०-99) 1997-2002, तारीख 31 मार्च 1997, समयानुसार यथा संशोधित, द्वारा अधिसूचित निर्यात और आयात नीति 1997-2002 है ।

(ख) “प्रक्रिया पुस्तिका, जिल्द I ” का तात्पर्य भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की लोक सूचना सं० 1(आर०ई०-2000)/1997-2002, तारीख 31 मार्च 1997, समयानुसार यथा संशोधित, के द्वारा प्रकाशित प्रक्रिया पुस्तिका, जिल्द I है ।

[फा. सं. बी-5/1/2001-टी.आर.यू.]

प्रशान्त कुमार सिन्हा, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE**(Department of Revenue)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 5th March, 2001

No. 27/2001-CUSTOMS

G.S.R. 163(E).— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts rough diamonds and other precious or semi-precious stones, unset and uncut, falling under Chapter 71 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), when imported into India, from the whole of the duty of customs leviable thereon under the said First Schedule and the additional duty, if any, leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act, subject to the following conditions, namely:—

(a) the imports are made under a,—

- (i) Replenishment Licence issued under and in accordance with paragraph 8.2 of the Export and Import Policy read with paragraph 8.3 of the Handbook of Procedures, Vol. I;
- (ii) Diamond Imprest Licence issued under and in accordance with paragraph 8.3 of the Export and Import Policy read with paragraphs 8.11 and 8.12 of the Handbook of Procedures, Vol. I;
- (iii) Bulk Licence issued under and in accordance with paragraph 8.10 of the Export and Import Policy read with paragraphs 8.21 to 8.25 of the Handbook of Procedures, Vol. I;
- (iv) Replenishment licence issued under and in accordance with paragraph 8.37 of the Export and Import Policy read with paragraphs 8.82 to 8.84 [A] of the Handbook of Procedures, Vol. I; or
- (v) Gem Replenishment Licence issued under and in accordance with paragraph 8.38 of the Export and Import Policy ;

(b) in case of rough diamonds imported under S.Nos. (ii) or (iii) of para (a) above, the importer executes a bond in such form and for such sum as may be specified by the Deputy Commissioner of Customs or Assistant Commissioner of Customs, as the case may be, and furnishes a bank guarantee for a sum equivalent to the duty leviable on the said rough diamonds so imported, undertaking himself to achieve the export obligation as stipulated in the Export and Import Policy and Handbook of Procedures, Vol. I and binding himself to pay on demand duty on the said rough diamonds along with the interest thereon at the rate of twenty-four per cent. per annum on the said duty from the date of the duty free importation till the date of payment of duty, in the case of non-fulfilment of export obligation or any other conditions as stipulated in the Export and Import Policy or Handbook of Procedures, Vol. I; and

(c) the importer shall maintain a proper account of import, consumption and utilization of the said goods and exports made by him, as the case may be, and shall submit such account to the said Deputy Commissioner or Assistant Commissioner of Customs, as the case may be, in such form, in such manner, at such intervals and within such time, as may be specified by the Commissioner of Customs in this regard.

2. This notification shall be in force upto and inclusive of the 31st day of March, 2001.

Explanation. - For the purposes of this notification,-

- (a) "Export and Import Policy" means the Export and Import Policy, 1997-2002, notified by Government of India in the Ministry of Commerce, vide notification No. 1 (RE-99)/1997-2002 dated the 31st March, 1997, as amended from time to time
- (b) "Handbook of Procedures, Vol. I" means the Handbook of Procedures, Volume I, published vide Public Notice of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. 1 (RE-2000)/ 1997-2002, dated the 31st March, 2000, as amended from time to time.

[F. No. B-5/1/2001-TRU]

PRASHANT KUMAR SINHA, Under Secy